|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 21. Mai 2023 | | |
| **7. Sonntag der Osterzeit A** | | |
| Erste Lesung: Apg 1,12-14; Zweite Lesung: 1 Petr 4,13-16; Evangelium: Joh 17, 1-11a | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 319, 1-3 | Christ fuhr gen Himmel |
|  | GL 339, 1-4 | Ihr Christen |
|  | GL 481, 1+6!+7! | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 156 | Herr Jesus, du bist unser Friede |
|  | GL 165 | Send uns deines Geistes Kraft |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 173, 1+2 | Gloria in excelsis Deo |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 27, 1.4.7-8 |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 38, 1 | Der Herr ist mein Licht |
|  | oder Psalmlied: |  |
|  | GL 392, 4+5 | Lobe den Herren |
|  | oder Lied: | |
|  | GL 346, 1-3 | Atme in uns, Heiliger Geist |
|  |  |  |
| Halleluja: | GL 175, 2 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |  |
|  | *Ich lasse euch nicht als Waisen zurück.* | |
|  | *Ich komme zu euch.* | |
|  | *Dann wird euer Herz sich freuen.* | |
|  |  |  |
| Credo: | GL 792, 1+2 | Ich glaube, Herr, mit Zuversicht |
|  | GL 180, 1+2 | Credo in unum Deum |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 484, 1+4-6 | Dank sei dir, Vater |
|  | GL 784 | Send deinen Geist |
|  |  |  |
| Sanctus | GL 198 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 203 | O Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 348, 2!+3 | Du heller Schein |
|  |  |  |
| Schluss: | Marienlied |  |